



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

28 वैशाख 1939 (श0)

(सं0 पटना 416) पटना, बृहस्पतिवार, 18 मई 2017

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग
(उर्दू निदेशालय)

अधिसूचना
15 मई 2017

सं० उ०नि०-37/2008-353—भारत संविधान के अनुच्छेद 162 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्य सरकार एतद्द्वारा द्वितीय राजभाषा उर्दू सम्मान-पुरस्कार को वितरित एवं विनियमित करने हेतु निम्नलिखित नियमावली बनाती है :-

द्वितीय राजभाषा उर्दू सम्मान-पुरस्कार नियमावली, 2017

- संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ । -
 - यह नियमावली द्वितीय राजभाषा उर्दू सम्मान-पुरस्कार नियमावली, 2017 कही जा सकेगी।
 - इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा।
 - यह नियमावली अधिसूचना निर्गत की तिथि से प्रवृत्त होगी।
- परिभाषाएँ । - इस नियमावली में जब तक कोई बात, विषय अथवा संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो;
 - 'पुरस्कार योजना' से अभिप्रेत है, 'द्वितीय राजभाषा उर्दू साहित्य सेवा सम्मान-पुरस्कार योजना' एवं 'नामित पुरस्कार योजना';
 - 'शिखर सम्मान-पुरस्कार' से अभिप्रेत है, शीर्ष एवं उच्च पुरस्कार;
 - 'नामित पुरस्कार' से अभिप्रेत है, पुस्तक आधारित पुरस्कार;
 - 'प्रक्रिया' से अभिप्रेत है, पुरस्कार प्रदान करने हेतु विनिश्चित प्रक्रिया;
 - 'समिति' से अभिप्रेत है, सरकार द्वारा गठित पुरस्कार चयन समिति;
 - 'सदस्य' से अभिप्रेत है, सरकार द्वारा गठित पुरस्कार चयन समिति के सदस्य;
 - 'समिति का कार्यकलाप' से अभिप्रेत है, पुरस्कार चयन समिति के विनिश्चित कार्यकलाप;
 - 'विभागीय दायित्व' से अभिप्रेत है, पुरस्कार प्रदान करने हेतु उर्दू निदेशालय, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग का विनिश्चित दायित्व;
 - 'निदेशालय' से अभिप्रेत है उर्दू निदेशालय।

3. उर्दू पुरस्कार की अर्हताएँ, देय राशि एवं प्रक्रियाएँ:-

(1) शिखर सम्मान-पुरस्कार:-

[क] **मौलाना मजहरुल हक शिखर सम्मान**।—यह उर्दू साहित्य का शिखर सम्मान-पुरस्कार होगा एवं उस व्यक्ति को देय होगा, जिसने अखिल भारतीय स्तर पर उर्दू के सृजनात्मक लेखन, पत्रकारिता अथवा उसके प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अतिविशिष्ट योगदान दिया हो। इस के अन्तर्गत 3,00,000/- (तीन लाख) रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट, ताम्र-पत्र पर अंकित प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किये जायेंगे।

[ख] **हजरत शफुद्दीन यहिया मनेरी सम्मान**।—यह उर्दू साहित्य का द्वितीय उच्च सम्मान-पुरस्कार होगा एवं उस व्यक्ति को देय होगा, जिसने अखिल भारतीय स्तर पर उर्दू के सृजनात्मक लेखन, पत्रकारिता अथवा उसके प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अतिविशिष्ट योगदान दिया हो। इसके अन्तर्गत 2,50,000/- (दो लाख पचास हजार) रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट, ताम्र-पत्र पर अंकित प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किये जायेंगे।

[ग] **अब्दुल कैयूम अंसारी सम्मान**।—यह उर्दू साहित्य का तृतीय उच्च सम्मान-पुरस्कार होगा एवं उस व्यक्ति को देय होगा, जिसने अखिल भारतीय स्तर पर उर्दू के सृजनात्मक लेखन, उर्दू पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान अथवा उसके प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अतिविशिष्ट योगदान दिया हो। इसके अन्तर्गत 2,00,000/- (दो लाख) रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट, ताम्र-पत्र पर अंकित प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किये जायेंगे।

उक्त सभी सम्मान-पुरस्कारों के चयन के समय साहित्यकारों/पत्रकारों/रचनाकर्मियों/उर्दू भाषा-सेवियों की किसी कृति विशेष को नहीं, बल्कि उनके समग्र व्यक्तित्व एवं अवदानों को दृष्टिपथ में रखा जायेगा।

(2) नामित पुरस्कार :-

[i] **शाद अजीमावादी पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू काव्य ग्रंथों (शायरी) पर दिया जायेगा।

[ii] **सैयद हसन असकरी पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू भाषा के इतिहास संबंधी ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[iii] **काज़ी अब्दुल वदूद पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू शोध संबंधी ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[iv] **कलीमुद्दीन अहमद पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू आलोचना एवं समीक्षा संबंधी ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[v] **सुहैल अजीमाबादी पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर लिखित ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[vi] **जकी अनवर पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू के साहित्य (कथा/उपन्यास) के ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[vii] **अहमद जमाल पाशा पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू के हास्य-व्यंग्य के ग्रंथों पर दिया जायेगा।

[viii] **कलीम आजिज़ पुरस्कार**।—यह पुरस्कार उर्दू काव्य (शायरी) पर दिया जाएगा।

उक्त प्रत्येक पुरस्कार के अन्तर्गत 50,000/- (पचास हजार) रुपये की राशि का बैंक ड्राफ्ट, प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान किये जायेंगे। यह सभी नामित पुरस्कार केवल मौलिक एवं सृजनात्मक रचना पर आधारित तथा विगत पांच वर्षों में प्रकाशित पुस्तक पर देय होगा। एक लेखक को केवल किसी एक ही विधा में पुरस्कृत किया जाएगा तथा पांच वर्षों के बाद ही वे पुनः इस योजना में शामिल हो सकेंगे।

4. शीर्ष एवं नामित पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रियाएँ :-

(1) शीर्ष उर्दू पुरस्कार हेतु विभाग (उर्दू निदेशालय) द्वारा सम्मान एवं पुरस्कारों के चयन के निमित्त प्रत्येक वित्तीय वर्ष में राज्य और राज्य के बाहर के प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के द्वारा सुस्पष्ट सूचना प्रकाशित/प्रसारित की जाएगी तथा राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख उर्दू साहित्यकारों, विद्वानों, उर्दू-सेवियों के अतिरिक्त साहित्यिक संस्थाओं, प्रसिद्ध उर्दू अकादमियों आदि से भी अनुशंसाएँ आमंत्रित करेगा, किन्तु प्राप्त अनुशंसाएँ विभाग के लिये बाध्यकारी नहीं होंगी।

- (2) विभाग (उर्दू निदेशालय) विज्ञापन/आमंत्रण-पत्र में अनुशंसाएँ समर्पित करने की विधि (यथा, व्यक्तिगत रूप से/डाक/कुरियर/मेल आदि द्वारा), समर्पित करने का स्थान, पता एवं समर्पित करने की अंतिम तिथि का सुस्पष्ट उल्लेख करेगा।
 - (3) विनिश्चित समय-सीमा के भीतर किसी अथवा सभी पुरस्कारों हेतु अनुशंसायें प्राप्त नहीं होने की स्थिति में, चयन समिति अपने ज्ञान एवं विवेक के आधार पर समुचित निर्णय लेकर, अपनी अनुशंसा सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेगी।
 - (4) नामित पुरस्कार के अधीन उर्दू के लेखकों से पुस्तक की पाँच प्रतियाँ आमंत्रित की जाएगी तथा प्राप्त पुस्तकों को सरकार द्वारा नामित तीन परीक्षकों को प्रत्येक विधा अंतर्गत प्राप्त पुस्तकों में से विधावार एक-एक पुस्तक मूल्यांकन हेतु उपलब्ध कराई जाएगी। एक प्रति निदेशक (उर्दू) को अवलोकनार्थ उपलब्ध कराई जाएगी ताकि वे सुनिश्चित कर लें कि किसी पुस्तक में ऐसी कोई बात नहीं हो, जो सरकार या राष्ट्र विरोधी हो अथवा अन्य कारणों से आपत्तिजनक हो। एक प्रति कार्यालय में संरक्षित रहेगी। मूल्यांकन का पूर्णांक 100 अंक होगा। परीक्षकों के अनुरोध-पत्र में इस आशय का स्पष्ट उल्लेख होगा कि पुस्तक प्राप्ति के दो माह के अंदर वे मुहरबंद प्रप्तांक उर्दू निदेशालय को निश्चित रूप से उपलब्ध करा देंगे। उर्दू निदेशालय द्वारा परीक्षकों से प्राप्त प्रप्तांकों का समेकित विवरण तैयार करके उसे समिति के समक्ष निर्णयार्थ प्रस्तुत किया जाएगा।
 - (5) नामित पुरस्कार योजना के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को पाँच वर्षों के अन्तराल पर ही पुनः पुरस्कृत किया जा सकेगा।
 - (6) विज्ञापन में इस आशय का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा कि नामित पुरस्कार हेतु प्रस्तुत की जाने वाली प्रत्येक पुस्तक पर लेखक द्वारा यह अंकित किया जाएगा कि "यह पुस्तक उनकी मौलिक रचना है तथा वह अमुख नामित पुरस्कार योजना के अन्तर्गत इसे प्रस्तुत कर रहे हैं।"
5. समिति का गठन, कार्यकाल, कोरम, कार्यकलाप एवं अनुमान्य सुविधाएँ।—
- (1) समिति का गठन।—
 - (क) उक्त शीर्ष एवं नामित पुरस्कारों के चयन की निमित्त अनुशंसा प्राप्त करने हेतु सरकार प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक उच्च स्तरीय चयन समिति निम्न रूप में गठित करेगी।
समिति के अध्यक्ष : अखिल भारतीय स्तर के उर्दू के पुरस्कृत, प्रख्यात विद्वान/साहित्यकार होंगे।
सदस्यगण —
 - (i) **सदस्य :** अध्यक्ष उर्दू परामर्शदातृ समिति/बिहार का कोई अखिल भारतीय स्तर का उर्दू साहित्यकार/विद्वान, पत्रकार अथवा विशिष्ट साहित्यिक व्यक्तित्व।
 - (ii) **सदस्य।—** विभागीय प्रधान सचिव/सचिव। (पदेन)
 - (iii) **सदस्य।—** बिहार का कोई अखिल भारतीय स्तर का उर्दू साहित्यकार/विद्वान, पत्रकार अथवा विशिष्ट साहित्यिक व्यक्तित्व।
 - (iv) **सदस्य।—** बिहार राज्य के बाहर का कोई अखिल भारतीय स्तर का उर्दू साहित्यकार/विद्वान, पत्रकार अथवा विशिष्ट साहित्यिक व्यक्तित्व।
 - (v) **सदस्य।—** बिहार राज्य के बाहर का कोई अखिल भारतीय स्तर का उर्दू साहित्यकार/विद्वान, पत्रकार अथवा विशिष्ट साहित्यिक व्यक्तित्व।
 - (vi) **सदस्य-सचिव।—** निदेशक (उर्दू), उर्दू निदेशालय। (पदेन)।
 - (ख) नामित पुरस्कार के चयन के लिए अखिल भारतीय स्तर के तीन उर्दू साहित्यकार/विद्वान, पत्रकार अथवा विशिष्ट साहित्यिक व्यक्तित्व का मनोनयन, सरकार द्वारा, किया जाएगा, जिनमें दो परीक्षक राज्य के एवं एक परीक्षक राज्य के बाहर के होंगे।
 - (2) **समिति का कार्यकाल।—** उक्त दोनों समितियों का कार्यकाल एक वित्तीय वर्ष होगा, परन्तु सरकार इस अवधि में परिवर्तन के लिये सक्षम होगी।
 - (3) **समिति का कोरम।—** समिति के कोरम की पूर्ति अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल संख्या के एक तिहाई सदस्यों की उपस्थिति से होगी। नामित पुरस्कार के मनोनीत सदस्य 100 (सौ) अंक के पूर्णांक के आधार पर प्राप्त पुस्तकों का मूल्यांकन करेंगे। अतः कोरम की आवश्यकता नहीं होगी। फिर भी यदि दो एवं दो से अधिक लेखकों को समान अंक प्राप्त हो जाए तो समिति लॉटरी के माध्यम से किसी एक लेखक का नाम पुरस्कार हेतु अनुशंसित करेगी।

(4) समिति का कार्यकलाप:-

- (क) समिति अपनी बैठक आहूत करके अनुशंसाओं/अंकों को दृष्टिपथ में रखकर अपनी अनुशंसा विभाग के माध्यम से सरकार को अंतिम निर्णयार्थ उपलब्ध कराएगी।
 - (ख) समिति अपनी अनुशंसा उपलब्ध कराने के लिए अधिकतम तीन बैठकें कर सकेगी।
 - (ग) अध्यक्ष की अनुशंसा के आलोक में समिति की बैठक की तिथि, समय एवं स्थान का अवधारण सरकार द्वारा किया जायेगा।
 - (घ) विभाग (उर्दू निदेशालय) और समिति, पुरस्कारों की विधिवत् घोषणा से पूर्व अपनी अनुशंसाओं को पूर्णतः गोपनीय रखेगी।
 - (च) यदि दो एवं दो से अधिक लेखकों को समान अंक प्राप्त हो जाए तो समिति लॉटरी के माध्यम से किसी एक लेखक का नाम पुरस्कार हेतु अनुशंसित करेगी।
 - (छ) विनिश्चित समय-सीमा के भीतर यदि किसी एक परीक्षक का अंक प्राप्त नहीं होता है तो अन्य परीक्षक से प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर समिति अपनी अनुशंसा प्रस्तुत कर सकेगी।
- (5) अनुमान्य सुविधाएँ।- पुरस्कार चयन समिति के गैर सरकारी अध्यक्ष एवं सदस्यों को, यात्रा के निमित्त सरकार के सचिव स्तर की सुविधा, अनुमान्य होगी एवं प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए उन्हें मानदेय स्वरूप 2,500/- (दो हजार पाँच सौ) रुपये मात्र प्रदान किया जाएगा। उनके लिए पटना में आवासन एवं भोजन की निःशुल्क व्यवस्था भी विभाग (उर्दू निदेशालय) द्वारा की जाएगी।

6. विभाग का दायित्व एवं व्यय।-

(1) दायित्व।-

- (क) उक्त शीर्ष एवं नामित पुरस्कारों के चयन हेतु अनुशंसायें/अंक प्राप्त होने के उपरांत विभाग (उर्दू निदेशालय) उन्हें सूचीबद्ध करेगा तथा चयन समिति की बैठक में अनुशंसाओं/अंकों को प्रस्तुत करेगा।
 - (ख) कोई व्यक्ति शिखर एवं उच्च सम्मान-पुरस्कार योजना के अन्तर्गत दूसरी बार पुरस्कृत नहीं किया जा सकेगा। इसके लिये विभाग (उर्दू निदेशालय) विधिवत् दो अलग-अलग पंजी संधारित करेगा, जिसमें शीर्ष एवं नामित पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति का पूरा विवरण अंकित किया जाएगा।
 - (ग) शीर्ष सम्मान-पुरस्कार/नामित पुरस्कार के वितरण की कार्रवाई विभाग (उर्दू निदेशालय) द्वारा की जायेगी।
 - (घ) विभाग (उर्दू निदेशालय) पुरस्कार चयन समिति के गैर सरकारी अध्यक्ष एवं सदस्यों को अनुमान्य एवं देय सुविधा उपलब्ध कराएगा।
 - (च) नामित पुरस्कार योजना अंतर्गत समान अंक प्राप्त होने की स्थिति में पुरस्कार चयन समिति को, विभाग (उर्दू निदेशालय), अपेक्षित सहयोग प्रदान करेगा।
 - (छ) नामित पुरस्कार योजना में प्रतिभागी अथवा परीक्षक के रूप में विभागीय पदाधिकारी/कर्मचारी भाग नहीं लें, विभाग (उर्दू निदेशालय) इसे सुनिश्चित करेगा।
 - (ज) पुरस्कृत-सम्मानित लेखकों को पुरस्कार वितरण समारोह में भाग लेने हेतु भोजन एवं आवासन की निःशुल्क व्यवस्था विभाग (उर्दू निदेशालय) द्वारा की जायेगी।
- (2) व्यय - पुरस्कार वितरण समारोह पर होने वाले व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष में कार्यालय व्यय मद से किये जायेंगे तथा अगले वित्तीय वर्ष से उक्त शीर्ष में अलग से प्रावधान किया जाएगा।

7. उक्त पुरस्कार योजना में यथाविहित अर्हताओं के अनुसार, बिहार राज्य एवं बिहार राज्य के बाहर के विशिष्ट उर्दू साहित्यकार एवं पत्रकार, विचार की परिधि में लाये जा सकेंगे।

8. आवश्यकता एवं निधि की उपलब्धता के आधार पर, सरकार द्वारा, समय-समय पर पुरस्कारों की संख्या एवं विनिश्चित राशि में परिवर्तन किया जा सकेगा।

9. निरसन एवं व्यावृत्ति : -

- (1) द्वितीय राजभाषा उर्दू पुरस्कार नियमावली, 1994-95 एतद् द्वारा निरसित की जाती है।
- (2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त नियमावली के अधीन किया गया कुछ भी अथवा की गयी कोई कार्रवाई इस नियमावली के अधीन किया गया अथवा की गयी समझी जायेगी मानो उस दिन यह नियमावली प्रवृत्त थी, जिस दिन वैसा कुछ किया गया था अथवा वैसी कोई कार्रवाई की गयी थी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
ब्रजेश मेहरोत्रा,
सरकार के प्रधान सचिव।

The 15th may 2017

No. U.Ni- 37/2008-353—In exercise of the powers conferred by the Article 162 of the Constitution of India the State Government of Bihar is pleased to make the following rules for distributing and regulating the Second Official Language Urdu Honours – Award (Samman – Puraskar) of the State: -

Second Official Language Urdu Samman – Puraskar Rules, 2017

1. **Short title, extent and Commencement.**— (1) These rules may be called the Second Official Language Urdu Samman – Puraskar Rules, 2017.

- (2) It shall extend to whole of the State of Bihar.
- (3) These rules shall come into force from the date of issue of the notification.

2. **Definitions - In these rules unless, anything otherwise require in the subject or context;**

- (i) **'Puraskar Yojna'** means the 'Second Official Language Urdu Sahitya Sewi Samman Puraskar' and 'Namat Puraskar Yojna';
- (ii) **'Shikhar Samman Puraskar'** - means the Highest Award;
- (iii) **'Namat Puraskar'** means the award based on books;
- (iv) **'Procedure'** means the procedure determined for giving awards;
- (v) **'Committee'** means the Puraskar Selection Committee constituted by the Government.
- (vi) **'Member'** means the member of the Puraskar Selection Committee constituted by the Government.
- (vii) **'Activities of Committee'** means the determined activities of Puraskar Selection Committee.
- (viii) **'Departmental Responsibility'** means the determined responsibility of Urdu Directorate, Cabinet Secretariat Department for giving awards.
- (ix) **'Directorate'** means the Urdu Directorate.

3. Qualifications of Urdu Puraskar, Amount to be paid and Procedures.

(1) **Shikhar Samman - Puraskar**

- (a) **Maulana Mazharul Haq Shikhar Samman.**—It shall be the highest honour— award of Urdu literature and shall be given to such a person who has contributed very prominently in the field of creative writing in Urdu & Journalism and its publicity at All India level.

A bank draft of Rs. 3,00,000/- (Three lakh), citation on Tamra Patra and Angvasutra shall be presented under it.

- (b) **Hazrat Sharfuddin Yahiya Maneri Samman.**—It shall be the second highest honour award of Urdu literature and shall be given to such a person

who has contributed very prominently in the field of creative writing in Urdu & Journalism and their publicity at All India level.

A bank draft of Rs. 2,50,000/- (Two lakh Fifty Thousand), citation on Tamra Patra and Angvastra shall be presented under it.

- (c) **Abdul Qaiyum Ansari Samman.**—It shall be the third highest honour award of Urdu literature and shall be given to such person who has contributed very prominently in the field of creative writing in Urdu & Journalism and their publicity at All India level. A bank draft of Rs. 2,00,000/-(Two Lakh), citation on Tamra Patra and Angvastra shall be presented under it.

At the time of selection of all above Samman Puraskars not only any single specific work of litterateurs/journalists/writers/urdu linguists but also their all round personality and contribution shall be taken into account.

(2) Namit Puraskar (Awards)

- (i) **Shad Azeemabadi Puraskar.**—This award shall be given on Urdu Poetry books (Shayri).
- (ii) **Syed Hasan Askari Puraskar.**—This award shall be given on the books relating the history of Urdu language.
- (iii) **Qazi Abdul wadood Puraskar.**—This award shall be given on the books relating Urdu research.
- (iv) **Kalimuddin Ahmad Puraskar.**—This award shall be given on the books relating Urdu criticism and review (aalochana and sameeksha).
- (v) **Suhail Azeemabadi Puraskar.**—This award shall be given on the books written on different aspects of Urdu journalism.
- (vi) **Zaki Anwar Puraskar.**—This award shall be given on the books of Urdu literature (Story/Novel).
- (vii) **Ahmad Jamal Pasha Puraskar.**—This award shall be given on the books relating humour.
- (viii) **Kalim Ajiz Puraskar.**—This award shall be given on Urdu Poetry Books (Shayri).

A bank draft of Rs. 50,000/- (Fifty thousand) complimentary letter and Body apparel shall be presented under each puraskar mentioned above. All namit puraskars mentioned above shall be given on the books based only on original and creative creation published in the last five years. A writer shall be awarded in one category (vidha) only and he may be included again in this yojna after five years.

4. Procedures of presenting highest and namit puraskars

- (1) For the highest Urdu Puraskar, clear notice shall be made to be published in the prominent newspapers alongwith electronic media of state and outside state in every financial year for the purpose of selection of highest Honours and Awards by the Department (Urdu Directorate) and recommendations from literary institutions, famous Urdu Academies etc. besides prominent Urdu litterateurs, scholars; Urdu writers shall be invited, however the recommendations received shall not be binding.
- (2) The method of submitting recommendations (namely, personally/by post/courier/mail etc.), place of submission, address and last date of submission shall be clearly mentioned in the advertisement/invitation letter of the Department (Urdu Directorate).

- (3) The selection committee shall submit its recommendation before the Government after taking appropriate decision on the basis of their knowledge and discretion in case of not receiving recommendations for any or all awards in stipulated time limit.
- (4) Five copies of a book shall be invited from the Urdu writers under Namit Puraskar and three examiners nominated by the Government shall be provided a book of each category (vidha) from the books received under each category for evaluation. A copy shall be made available to the Director (Urdu) for perusal to ensure that there are no such things which are against the government or nation or objectionable in view of other reasons. A copy shall be kept in the office. The highest marks for evaluation shall be 100. It shall be clearly mentioned in the request letter to make the sealed mark sheet available to Urdu Directorate positively within two months from the receiving of books. The details of the marks received by the Urdu Directorate shall be compiled and presented before the committee for decision.
- (5) Any person may be awarded again after a gap of five years under Namit Puraskar Yojna.
- (6) It shall be clearly mentioned to this intent that it shall be written by the writer on every book submitted for Namit Puraskar that 'this book is his original creation and he is submitting it under Namit Puraskar Yojna'.

5. Constitution of Committee, tenure, quorum, activities and permissible facilities - (1)
Constitution of committee -

- (a) For getting recommendations on the highest and namit awards mentioned above, the government shall constitute a high level committee in every financial year as follows -

Chairman of the Committee.—The awarded person, renowned scholar/litterateur of Urdu at all India level shall be the Chairman of the Committee.

Member :

- (i) **Member.**—Chairman, Urdu Advisory Committee/any Urdu Litterateur/Scholar or prominent literary personality of All India level of Bihar;
- (ii) **Member .**—Principal Secretary/Secretary of the department (ex officio);
- (iii) **Member .**—Any Urdu litterateur/scholar, journalist or prominent literary personality of All India level of Bihar;
- (iv) **Member .**—Any Urdu litterateur/scholar, journalists or prominent literary personality of All India level from outside Bihar state;
- (v) **Member .**—Any Urdu litterateur/scholar, journalists or prominent literary personality of All India level from outside Bihar state;
- (vi) **Member-Secretary .**—Director (Urdu), Urdu Directorate. (ex officio)
- (b) Three Urdu litterateurs/scholars, journalist or prominent literary personality of All India level shall be nominated by the government for the selection of Namit Puraskar in which two examiners shall be from the State of Bihar and one from outside the state.

- (2) **Tenure of Committee.**—The tenure of both the committees mentioned above shall be for one financial year, however the Government shall be competent to change this period.

- (3) **Quorum of Committee.**—The quorum of the committee shall be present with the presence of one third members of the total members including the Chairman. The nominated members of the Namit Puraskar shall evaluate the books received on the basis of 100 Full marks. Therefore there is no need of quorum. However if two and more than two writers obtain same marks, the committee shall recommend any one of the writers through the lot of draw.
- (4) **Activities of Committee –**
- The committee shall convene its meeting and in view of recommendations/marks, make its recommendation available to the Government through the department for final decision.
 - The committee may convene maximum of three meetings for providing recommendation.
 - The date of meeting of the committee, time and place shall be determined by the Government in view of the recommendation of the chairman.
 - The Department (Urdu Directorate) and the Committee shall keep their recommendations fully confidential before the formal announcement of awards.
 - If two or more than two writers obtain same marks, the committee shall recommend anyone of the writers through the lot of draw.
 - If the marks is not received from any one of the examiner, the committee shall submit its recommendations on the basis of the average of the marks received from other examiner.
- (5) **Permissible facilities.**—Facilities of secretary to the Government level shall be permissible to a non government Chairman and members for tour and they shall be given Rs. 2,500/-(Two thousand five hundred) as honorarium for participating in every meeting. Free of cost arrangement of food and lodging for them in Patna shall be made by the Department (Urdu Directorate).
- (6) **Liabilities of the Department and expenditure.— (1) Liabilities:-**
- After receiving the recommendations/marks for the selection of highest and Namit Awards, the Department shall list them and present the recommendations /marks in the meeting of the Selection Committee.
 - No person may be awarded twice under Shikhar and Highest Samman – Puraskar Yojna. The Department (Urdu Directorate) shall duly maintain two separate registers in which the full details of the recipient of Highest and Namit Award shall be mentioned;
 - The action of distributing Highest Honour – Award/Namit Award shall be taken by the Department (Urdu Directorate);
 - The Department (Urdu Directorate) shall provide permissible and due facilities to a non government Chairman and members of the Award Selection Committee;
 - In case of obtaining equal marks under the Namit Puraskar Yojna, the Department (Urdu Directorate) shall extend required help to the Puraskar Selection Committee;
 - The department (Urdu Directorate) shall ensure that departmental officers/ employees can not take part as participants or examiners in Namit Puraskar Yojna.

- (g) Arrangement of free of cost food and lodging to those writers who are awarded honoured for participating in award distribution ceremony shall be made by the Department (Urdu Directorate);
- (2) **Expenditure.**—In current financial year, the expenditure on award distribution ceremony shall be met from office expenditure item and from next Financial year, a separate provision shall be made in the aforesaid Head.

7. Prominent Urdu litterateur and journalist from Bihar State and outside may be brought under the periphery of consideration in accordance with the qualifications as prescribed in the Puraskar Yojna mentioned above.

8. The number of awards and the amount fixed may be changed by the Government, from time to time, on the basis of needs and availability of fund.

9. **Repeal and Saving.**—

- (1) The Second Official Language Urdu Puraskar Rules, 1994-95 is hereby repealed.
- (2) Notwithstanding such repeal, any work done or any action taken under the aforesaid rules shall be deemed to have been done or taken under these rules as if these rules were enforced on that day when such work was done or such action was taken.

By order of the Governor of Bihar,
BRIJESH MEHROTRA,
Principal Secretary to the Government.

—
अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 416-571+500-डी0टी0पी0।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>